भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 545
उत्तर देने की तारीख 06 फरवरी, 2024
17 माघ, 1945 (शक)

खेलो इंडिया केंद्र को निधि

545. श्री एस. आर. पार्थिबन :
श्री पी. वेलुसामी :
श्री सुशील कुमार रिंकू :

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) खेलो इंडिया स्कीम की विशेषताएं क्या हैं;

(ख) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु और पंजाब में इस योजना के अंतर्गत स्वीकृत, आवंटित और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) इस योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य और अब तक प्राप्त उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने देश में 1000 खेलो इंडिया केन्द्र खोलने की योजना बनाई है;

(ङ) यदि हां, तो तमिलनाडु और पंजाब राज्यों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या इन केन्द्रों ने बुनियादी स्तर पर खेल पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण में सहायता की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) खेलो इंडिया स्कीम का उद्देश्य पूरे देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और खेल उत्कृष्टता हासिल करना है, ताकि आम लोग इसके क्रॉस-कटिंग प्रभाव अर्थात् बच्चों और युवाओं का समग्र विकास, सामुदायिक विकास, सामाजिक एकीकरण, जेंडर समानता, स्वस्थ जीवन शैली, राष्ट्रीय गौरव और खेल विकास से संबंधित आर्थिक अवसर के माध्यम से खेल की शक्ति का उपयोग कर सकें ।

'खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम' के युग्मित उद्देश्य देशभर में खेलों में व्यापक जन भागीदारी और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है । इस स्कीम के निम्नलिखित 05 घटक हैं :

i. खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन
ii. खेल प्रतियोगिताएं और प्रतिभा विकास
iii. खेलो इंडिया केंद्र और खेल अकादमियां
iv. फिट इंडिया अभियान
v. खेलों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देना

(ख) इस मंत्रालय में निधियां स्कीम-वार आवंटित और जारी की जाती हैं, राज्य-वार नहीं । पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान खेलो इंडिया स्कीम के तहत आवंटित निधि और किए गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है :

(करोड़ रु.)

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	आवंटित निधियां	किया गया व्यय (31.01.2024 तक)
1.	2020-21	328.77	338.06
2.	2021-22	869.00	764.29
3.	2022-23	600.00	596.39
4.	2023-24	880.00	453.26

(ग) खेलो इंडिया स्कीम एक मांग आधारित स्कीम है । राज्य/संघ राज्यक्षेत्र की सरकारों और अन्य पात्र निकायों से वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त प्रस्तावों पर स्कीम के तहत उनकी पूर्णता, तकनीकी व्यवहार्यता और धनराशि की उपलब्धता के आधार पर विचार किया जाता है । खेलो इंडिया स्कीम के तहत अब तक हासिल की गई उपलब्धियां अनुबंध-I में दी गई हैं ।

(घ) और (ङ) : जी हां । तथापि, देश में खेलो इंडिया केंद्रों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया गया है । अब तक देशभर में 1072 खेलो इंडिया केंद्र अधिसूचित किए जा चुके हैं । तमिलनाडु और पंजाब राज्यों सहित खेलो इंडिया केंद्रों का राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा अनुबंध-II में दिया गया है ।

(च) जी हां । खेलो इंडिया केंद्रों के तहत, देश में जमीनी स्तर पर खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के सरकार के विजन के तहत एक कम लागत वाली, प्रभावी खेल प्रशिक्षण प्रणाली तैयार की गई है जिसमें युवाओं के लिए "पूर्व के चैंपियन एथलीट" कोच और मेंटोर होंगे और वे स्वायत्त तरीके से खेल प्रशिक्षण प्रदान करेंगे और अपनी आजीविका कमाएंगे ।

अनुबंध - I

"खेलो इंडिया केंद्र को निधि" के संबंध में श्री एस. आर. पार्थिबन, श्री पी. वेलुसामी और श्री सुशील कुमार रिंकू द्वारा दिनांक 06.02.2024 के लिए पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 545 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध ।

खेलो इंडिया स्कीम की प्रमुख उपलब्धियां

i) खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन : 32 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 2839.36 करोड़ रु. की कुल स्वीकृत लागत पर 308 नई खेल अवसंरचना परियोजनाओं (184 पूर्ण और 124 चालू) को मंजूरी दी गई है ।

ii) वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं : इस पहल के तहत, खेलो इंडिया गेम्स के 13 संस्करण अर्थात प्रथम खेलो इंडिया स्कूल गेम्स, खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) के 05 संस्करण, खेलो इंडिया विंटर गेम्स (केआईडब्ल्यूजी) के 03 संस्करण, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) के 03 संस्करण और प्रथम खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी) आयोजित किए गए हैं । इन खेलों में कुल 45,000 से अधिक एथलीटों, 90,000 सहायक कर्मियों, 69,000 तकनीकी अधिकारियों और 12,500 स्वयंसेवकों ने भाग लिया ।

iii) खेलो इंडिया केंद्र और खेल अकादमियां : खेलो इंडिया स्कीम के खेलो इंडिया केंद्र और खेल अकादमियां (केआईसी और एसए) के अंतर्गत खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) । 31 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 32 केआईएससीई को अनुोदित किया गया है । इन केआईएससीई को व्यवहार्यता अंतर विश्लेषण के आधार पर जनशक्ति, खेल उपकरण, खेल विज्ञान सहायता आदि के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है । अब तक देशभर में कुल 1072 खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) अधिसूचित किए जा चुके हैं । खेलो इंडिया के तहत चिन्हित एथलीटों के प्रशिक्षण के लिए कुल 296 अकादमियों को मान्यता दी गई है ।

iv) खेलो इंडिया प्रतिभा पहचान : खेलो इंडिया प्रतिभा पहचान विकास (केआईटीडी), खेलो इंडिया स्कीम के सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक है । भौतिक विशेषताओं के मामले में विशाल विविधता वाले देश में खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने का अपार अवसर होता है, बशर्ते कि खेल प्रतिभा की सही समय पर पहचान की गई हो और ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए खेल विज्ञान की सहायता से कोचों द्वारा आयु-उपयुक्त प्रशिक्षण दिया गया हो । पॉकेट भत्ता (ओपीए) के रूप में 10000/- रु. प्रति माह सहित वित्त पोषण को बढ़ाकर 6,28,400/- रु. प्रति वर्ष कर दिया गया है । यह सभी चिन्हित खेलो इंडिया एथलीटों (केआईए) के लिए है, भले ही उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो । 2752 से अधिक केआईए को वर्तमान में 21 खेल विधाओं में सहायता प्रदान की जा रही है ।

v) फिट इंडिया अभियान : इसका उद्देश्य भारतीयों को पूरे वर्ष मैराथन, साइक्लोथॉन, रन आदि जैसे फिटनेस कार्यक्रमों/कार्यकलापों में नामांकन और भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके फिटनेस को उनके दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बनाना है, जिससे यह एक जन अभियान बन सके । चाहे वह फिट इंडिया फ्रीडम रन हो, जिसमें देशभर के 21 करोड़ नागरिकों ने इसके तीन संस्करणों में भाग लिया या फिट इंडिया क्विज़ जो कि फिटनेस और स्कूली बच्चों के लिए खेल पर एकमात्र क्विज़ है, में 1 लाख छात्रों ने भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है - सभी आयु समूहों में फिटनेस के प्रति रुचि बढ़ी है । छात्रों को और अधिक प्रेरित करने के लिए, प्रत्येक वर्ष फिट इंडिया स्कूल वीक आयोजित किया जाता है जिसमें अब तक 13.5 लाख से अधिक छात्र फिटनेस से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों में भाग ले चुके हैं ।

vi) महिलाओं के लिए खेल : इसका उद्देश्य विभिन्न कार्यकलापों के माध्यम से खेलों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है । इस पहल के तहत विभिन्न खेलो इंडिया महिला लीग का आयोजन किया जा रहा है । अब तक देशभर में 21 खेल विधाओं में महिला लीग का आयोजन किया जा चुका है । महिला एथलीटों के लिए कुल 575 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं जिसमें 60,000 से अधिक प्रतिभागी रहे हैं । इस पहल के माध्यम से पूरे देश में खेलों में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और महिला एथलीटों को सभी आयु समूहों में प्रतिस्पर्धा करने, सीखने और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिले हैं ।

अनुबंध – II

"खेलो इंडिया केंद्र को निधि" के संबंध में श्री एस. आर. पार्थिबन, श्री पी. वेलुसामी और श्री सुशील कुमार रिंकू द्वारा दिनांक 06.02.2024 के लिए पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 545 के भाग (घ) और (ङ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध ।

क्र.सं.	**राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र**	**खेलो इंडिया केंद्रों की संख्या**
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	3
2	आंध्र प्रदेश	26
3	अरुणाचल प्रदेश	54
4	असम	65
5	बिहार	38
6	चंडीगढ़	2
7	छत्तीसगढ़	31
8	दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीव	4
9	दिल्ली	7
10	गोवा	2
11	गुजरात	33
12	हरियाणा	23
13	हिमाचल प्रदेश	16
14	जम्मू और कश्मीर	100
15	झारखंड	24
16	कर्नाटक	31
17	केरल	24
18	लद्दाख	3
19	लक्षद्वीप	1
20	मध्य प्रदेश	49
21	महाराष्ट्र	43
22	मणिपुर	34
23	मेघालय	24
24	मिजोरम	22
25	नागालैंड	32
26	ओडिशा	26
27	पुदुचेरी	4
28	पंजाब	28
29	राजस्थान	42
30	सिक्किम	11
31	तमिलनाडु	38
32	तेलंगाना	32
33	त्रिपुरा	14
34	उत्तर प्रदेश	80
35	उत्तराखंड	17
36	पश्चिम बंगाल	13
37	भारतीय रेलवे	76
	कुल	1072

*****